महोत्सव

सिकन्द्रा में कबीर सत्संग समारोह

शेरपार में आध्यात्मिक शिवपुराण एवं महाशिवरात्रि महोत्सव

प्रदीप जायसवाल ने जमकर लगाये हर-हर महादेव के जयघोष

नवभारत, वारासिवनी। क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थस्थल शेरपार मे आध्यात्मिक शिवपुराण, रूद्र महायज्ञ एवं महाशिवरात्रि महोत्सव मे शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने हर हर महादेव के जमकर जयघोष लगाये। साथ ही व्यासपीठ को नमन कर पं चितरंजन तिवारी से आर्शीवाद प्राप्त किया। महाशिवरात्रि के दिवस शेरपार, सिरपुर, आगरी, कोचवाही, नांदगांव के संयूक्त आयोजन मे भक्तो की अपार भीड धार्मिकता के विशिष्ट अंदाज को प्रदर्शित करते हुये भी नजर आयी।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने महाशिवरात्रि के महत्व को रेखाकिंत करते हुये कहा की धार्मिक मान्यता अनुसार शिव व शक्ति एक हुये थे। यानि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। वही कुछ मान्यताओ के अनुसार आज ही के दिवस भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष का पान किया था। और संसार की रक्षा की थी।

गुडडा भैया ने विशेष रूप से समुद्र मंथन से निकले विष को शिवजी के द्वारा ग्रहण करने के प्रसंग को भी विस्तार से बताकर अभिषेक के महत्व व उससे मिलने वाले आर्शीवाद की जानकारी अपार भक्तो को प्रदान की। इस अवसर पर विशेष रूप से सर्वश्री योगेन्द्र ठाकरे सरपंच, ढालसिंह जामुनपाने, गेंदलाल बिसेन, मोहन सिंह पारधी, शत्रुघन बिसेन, भानूसिंह बिसेन, अनिश मिश्रा आदि साथ भी रहे।

इस धार्मिक कार्यक्रम मे व्यासपीठ से ही जब महाराज जी ने गुडडा भैया को जानकारी दी आज से हमने महादेव पहाडी का नाम कामनापूर्ति कामेश्वर धाम कर दिया है। अब इसे प्रकिया मे लाकर इस नाम को स्थापित करने की जवाबदेही गुडडा भैया आपकी ही है। जिसे सुनकर हजारो भक्तो ने भी करतल ध्वनि से स्वागत कर अपनी सहमती प्रदान की।

सत्संगति रूपी सरोवर मे मिलते है ज्ञान के मोती

इसी तरह सिकन्द्रा पटेल टोला मे आयोजित कबीर सत्संग समारोह मे शामिल होकर गुडडा भैया ने संत हरेन्द्र साहेब छत्तीसगढ, संत मधु साहेब गुजरात, श्री रोमनदास पटले बालाघाट को नमन कर सत्संग के प्रमुख उद्वेश्यो पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर गुडडा भैया ने कहा की अभी अभी संतो ने प्रकाशमय विषय का ज्ञान कराया है। हम भी मानते है की राष्टपिता महात्मा गांधी के तीन नही चार बंदर प्रतिकात्मक थे। बुरा मत बोलो, बुरा मत देखो और बुरा मत सुनो के साथ चौथे अद्रश्य बंदर ने यही संदेश दिया है की बुरा मत सोचो। हम अगर सदैव अच्छा ही सोचेगे तो हमारे साथ धर्म, आध्यात्म और ईश्वर जीवन भर अच्छा ही करेगे। गुडडा भैया ने यह भी कहा की इस सत्संग का उद्वेश्य आध्यात्मिक जाग्रति,सामाजिक समता और आत्मशुद्वि व हंस दशा प्रदान करना है। जंहा सत्संगति रूपी सरोवर मे ज्ञान के मोती मिलते है, जिससे जीवन आनंदमार्गी और विकारो से मुक्त होता है। कार्यक्रम मे विशेष रूप से सर्वश्री डेलीराम ठाकरे अध्यक्ष, राजकुमार चौधरी, परशुराम पंचेश्वर, मोतीराम ठाकरे, देवेन्द्र चौधरी, संतलाल मात्रे, पत्रकार सुधीर शर्मा आदि साथ भी रहे।

भक्तों ने लिया आर्शीवाद

महाशिवरात्रि के दिवस गुडडा भैया ने नगर के प्रसिद्व मंदिरो मे पंचमुखी शिव मंदिर, जागेश्वर शिव मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर वारा सहित चर्दोरी के शिव मंदिर मे भोलेबाबा की आराधना कर क्षेत्र मे सदैव सुख शांति की कामना की। वहीं बुदबुदा के प्रसिद्व नर्मदेश्वर मंदिर मे आर्शीवाद प्राप्त करने के बाद वारासिवनी मे जय स्तंभ चौक पर विशाल भंडारे को बांट कर पूण्य लाभ भी अर्जित किया।

नक्सलवाद समाप्त हुआ तो खनन का खेल

आदिवासी इलाकों में फूंका आंदोलन का बिगुल

खनन के खिलाफ एकजुट हुये संगठन और नेता

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में नक्सलियों के खात्मे और जंगलों में बढ़ती माइनिंग की गतिविधियों को लेकर अब सियासत गरमा गई है। कांग्रेस विधायक संजय उईके ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की नीतियों पद्ध सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तरफ सरकार क्षेत्र से नक्सलियों के सफाए का दावा करती है और दूसरी तरफ उन्हीं वन क्षेत्रों में माइनिंग का काम शुरू कर दिया जाता है।

सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए विधायक उईके ने कहा कि आदिवासी समाज के लिए जल, जंगल और जमीन देवता के समान हैं। उन्होंने लौंगुर से पचामादादर के बीच के वन क्षेत्र में बॉक्साइट खनन की अनुमति दिए जाने को नियम विरुद्ध बताया। विधायक का दावा है कि इस पूरी प्रक्रिया में 'फॉरेस्ट रिजर्व एक्ट' और पेसा कानून की अनदेखी की गई है।

विधायक उईके ने माइनिंग के लिए तैयार की गई सर्वे रिपोर्ट को भ्रामक और गलत बताया। उन्होंने कहा कि विभाग की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस क्षेत्र में वन्यप्राणियों का कोई गलियारा (कॉरिडोर) या आदिवासियों का निवास नहीं है, जबकि हकीकत इसके उलट है।

सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, यह क्षेत्र कान्हा और पेंच नेशनल पार्क के बीच वन्यप्राणियों के आवागमन का मुख्य रास्ता है। साथ ही, यहाँ की 14 पंचायतों के 46 गांवों में लगभग 33 हजार लोग रहते हैं।

विधायक ने आरोप लगाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने विधानसभा में सवाल उठाने की कोशिश की थी, लेकिन उनके सवालों को लगने नहीं दिया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब यह लड़ाई केवल सदन तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे सड़क से लेकर कोर्ट तक ले जाया जाएगा। इसी मामले में जिला पंचायत सदस्य मंशाराम मड़ावी ने प्रशासन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि खनन की अनुमति के लिए 18 फरवरी को होने वाली जनसुनवाई को तुरंत टाला जाए। यदि सरकार और प्रशासन ने जनसुनवाई नहीं रोकी, तो तहसील मुख्यालय पर उग्र आंदोलन किया जाएगा।

खेलों से निखरेगा प्रतिभा का भविष्य

वारासिवनी। बालाघाट जिले की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और विद्यालय स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 12 फरवरी 2026 को प्रात: 11 बजे पीएम श्री शासकीय जवाहर नवोदय विद्यालय वारासिवनी में फुटबॉल स्कूल हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोहम्मद असलम शेख ताइक्वांडो अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवम् कोच, विद्यालय प्रभारी प्राचार्य बी आर पटेल, महेंद्र कुमार, जी एस यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत बालाघाट जिले के 39 विद्यालयों को कुल 299 फुटबॉल वितरित किया जाना था। कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक एवं एक छात्र की उपस्थिति रही।

बिछुआ में सड़क हादसा चाचा की मौत-भतीजा घायल

बालाघाट। घर से नाश्ता करने के लिए बाजार चौक की तरफ होटल जा रहे चाचा-भतीजे सड़क हादसे का शिकार हो गए है। हादसे में चाचा की दर्दनाक मौत हो गई जबकि भतीजे को मामूली चोट आई है। यह हद्वय विदारक घटना तिरोड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बिछुआ से लिंगापौनार सड़क मार्ग की है। हादसा सोमवार की सुबह करीब साढ़े 9 के आसपास हुआ है। जिसमें बिछुआ निवासी 22 वर्षीय युवक मयूर पिता रतनलाल राहंगडाले की मौत हो गई है। वहीं भतीजे गौरव राहंगडाले को मामूली चोट आई है। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर संजीवनी 108 घटनास्थल पर पहुंची थी लेकिन जब घायलों को अस्पताल लाया गया तो यहां चिकित्सक ने मयूर को मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी अनुसार चाचा-भतीजे बाइक पर सवार होकर अपने गांव बिछुआ से नाश्ता करने के लिए लिंगापौनार की तरफ जा रहे थे। बिछुआ से लिंगापौनार सड़क मार्ग पर एक मोड़ाई में अचानक से पालतू मवेशी बाइक के सामने आ गई। जिसे बचाने के चक्कर में बाइक सीधे खेत में जा गिरी। इस हादसे में चाचा की मौत हो गई। मृतक के शव को पीएम के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी के शव विच्छेदन गृह लाया गया। जहां पीएम होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

रेडियो किसान दिवस पर धपेरा में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

नवभारत, बालाघाट। कृषि के प्रचार-प्रसार में रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए आकाशवाणी बालाघाट (प्रसार भारती) द्वारा रेडियो किसान दिवस के अवसर पर ग्राम धपेरा (मोहगांव) में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, बैंक प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ जीएसटी कमिश्नर लोकेश लिल्हारे, उपसंचालक कृषि फूल सिंह मालवीय, सहायक संचालक कृषि राजेश खोबरागड़े, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक एस.आर. धूवारे, वैज्ञानिक रमेश अमूले (राजा भोज कृषि महाविद्यालय), डॉ. बावसकर दत्ता (केंद्रीय रेशम बोर्ड), सहायक यांत्रिक कृषि अभियांत्रिकी मुकेश कुलस्ते, एलडीएम संजीव कुमार, सहायक निदेशक आकाशवाणी कुंवर विक्रम सिंह, कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार, सरपंच प्रतिनिधि साधुराम कवाचे एवं प्रगतिशील कृषकों की उपस्थिति में हुआ।

कार्यक्रम अधिकारी धीरज कुमार ने रेडियो किसान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रेडियो आज भी जनसंचार का सबसे सशक्त एवं विश्वसनीय माध्यम है, जो ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक त्वरित और सटीक जानकारी पहुंचाता है। प्राकृतिक आपदाओं, कृषि सलाह, स्वास्थ्य जागरूकता एवं शिक्षा के क्षेत्र में रेडियो की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

सहायक निदेशक कुंवर विक्रम सिंह ने कहा कि आकाशवाणी बालाघाट द्वारा किसानों के अनुभव, कृषि तकनीक और योजनाओं की जानकारी 'किसानवाणी' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से श्रोताओं तक पहुंचाई जा रही है। डिजिटल युग में भी एफएम, सामुदायिक रेडियो और ऑनलाइन स्ट्रीमिंग के माध्यम से रेडियो की पहुंच निरंतर बढ़ रही है।

मुख्य अतिथि लोकेश लिल्हारे ने कहा कि रेडियो का महत्व पहले भी था और आज भी है। कृषि में नई तकनीकों की जानकारी किसानों तक पहुंचाने में आकाशवाणी की अहम भूमिका है।

रेला में शामिल हुए 11 विदेशी प्रतिभागी

आदि-जोहार द्वारा आयोजित सांस्कृतिक मिलन सम्पन्न

नवभारत, बालाघाट। विकासखंड किरनापुर के ग्राम नंदोरा (पंचायत बक्कर) में 1 से 8 फरवरी तक 'रेला' नामक सांस्कृतिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन 'आदि-जोहार' समूह के तत्वावधान में विभिन्न आदिवासी समुदायों एवं देश-विदेश से आए प्रतिभागियों के बीच सांस्कृतिक संवाद और सहभागिता के उद्देश्य से सम्पन्न हुआ।

आमंत्रण आधारित (इनवाइट ओनली) इस कार्यक्रम में पूर्व पंजीकरण अनिवार्य था। प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित हुए इस आयोजन में विभिन्न देशों से 11 प्रतिभागी, भारत के अलग-अलग शहरों से 25 प्रतिभागी शामिल हुए। साथ ही कांकेर एवं नारायणपुर (छत्तीसगढ़) से मुरिया समुदाय के 95 सदस्य, कवर्धा से बैगा समुदाय के 11 सदस्य, आमरागढ़ से माडिया समुदाय के 14 सदस्य तथा पश्चिम बंगाल से संथाल समुदाय के 11 सदस्यों ने भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक एवं लोक संगीत, सामूहिक नृत्य, सांस्कृतिक संवाद, कला एवं हस्तशिल्प के माध्यम से विभिन्न समुदायों ने अपनी जीवन शैली, परंपराओं और अनुभवों को साझा किया। प्रस्तुतियां मुख्यत: प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप सीमित ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के साथ आयोजित की गईं।

यह आयोजन पूर्णत: सामूहिक सहयोग से सम्पन्न हुआ। शहरों एवं विदेशों से आए प्रतिभागियों ने स्वैच्छिक आर्थिक सहयोग प्रदान किया, वहीं आदिवासी समुदायों ने चावल, पत्तलों हेतु पत्ते तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई।

पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए भोजन के लिए पत्तलों का उपयोग किया गया, स्थल पर कचरा पात्रों की व्यवस्था की गई तथा प्लास्टिक अपशिष्ट को पृथक एकत्र कर पुनर्चक्रण हेतु भेजा गया। पार्किंग की व्यवस्था निजी भूमि पर की गई और प्राथमिक उपचार के लिए फर्स्ट एड किट उपलब्ध रही।

'रेला' का उद्देश्य सांस्कृतिक संरक्षण, ग्रामीण-शहरी संवाद, अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवन दृष्टि को बढ़ावा देना रहा। आयोजकों के अनुसार यह एक मैत्रीपूर्ण सांस्कृतिक मिलन था, जिसका कोई व्यावसायिक या राजनीतिक उद्देश्य नहीं था। उल्लेखनीय है कि 'आदि-जोहार' कोई पंजीकृत संस्था नहीं, बल्कि मित्रों का एक समूह है, जो आदिवासी समुदायों के साथ संवाद एवं सांस्कृतिक सहयोग की भावना से कार्य करता है।

कटंगी क्षेत्र में सड़क निर्माण में भारी भ्रष्टाचार

लोकनिर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही सड़कों का मामला

नवभारत कटंगी। सड़कों के बनते ही कुछ दिनों में सड़कों का उखड़ना और सड़कों का गड्ढों में तब्दील होने के मुख्य कारण गुणवत्ता विहीन सड़कों का निर्माण कर शासकीय राशि का दोहन करना हि प्रतीत हो रहा है यही कारण है कि सड़कें बनते ही उखड़ने लगती है इसी तरह के मामले प्रकाश में आ रहे जिसमें कटंगी क्षेत्र के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण के नाम पर किये जा रहे सड़कों के डामरीकरण कार्य में ठेकेदार और उपमंत्री द्वारा गुणवत्ताहीन कार्य कर शासकीय राशि की लूट हो रही है। शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के लिए धन आवंटित किया गया है, लेकिन ठेकेदारों द्वारा धन का दुरुपयोग किया जा रहा है।

ठेकेदारों की लूट जारी

ठेकेदारों द्वारा सड़क निर्माण में निम्न स्तरीय सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जिससे सड़क की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। निर्माण में निम्न स्तरीय सामग्री का उपयोग किया गया तथा निर्धारित ग्रेड एवं संरचनात्मक मानकों की अनदेखी की गई है जानकारी अनुसार कटेरा, बनेरा कोडमी सड़क निर्माण कार्य में बरती गई अनियमितता और भ्रष्ट कार्यप्रणाली का ही परिणाम है कि सड़क का डामर हाथ से निकल रहा है, जिसका मुख्य कारण सील कोड में डामर की कमी मानी जा रही है। ठेकेदार द्वारा सील कोड में 5 प्रतिशत डामर ना डालते हुए मात्र लीपा पोती कर दी गई है तथा उपयोग किए गिट्टी मटेरियल में ग्रेडेड मेंटल का उपयोग ना करते हुए बारीक गिट्टी का उपयोग किया गया है। इसी तरह मिरगपुर से पांडरवानी सड़क निर्माण में भी भारी अनियमितता बरती जा रही है। सड़क निर्माण में तकनीकी नियंत्रण मानकों तथा विभागीय स्वीकृत डिजाइन का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे सड़कों की दीर्घकालिक उपयोगिता एवं संरचनात्मक मजबूती पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए है, ग्रामीणों द्वारा इस मामले में शिकायतें दर्ज की गई हैं और वे सड़क निर्माण में बरती गई अनियमितता के खिलाफ आंदोलन करने की तैयारी में हैं।

तय हो जवाबदेही

विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की प्रभावी निगरानी करनी चाहिए और जिम्मेदारों को जवाबदेह बनाना चाहिए किंतु कार्य स्थल पर ठेकेदार मनमर्जी से कार्य को अंजाम देते हैं। ग्रामीणों द्वारा जांच की मांग की जा रही है ताकि निर्माण कार्यों में अनियमितताओं का पता लगाया जा सके। विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की प्रभावी निगरानी करनी चाहिए। किंतु वरिष्ठ अधिकारी मात्र आफिसों में फाइलों में ही उलझे रहते हैं इस संबंध में दूरभाष पर उपयंत्री से चर्चा करने पर उनके द्वारा ठेकेदार का पक्ष लेते हुए सड़क से डामर निकलने का कारण साईड सोल्डर नही डालना बताया गया है जो हास्यास्पद ही है। इस मामले में उच्च स्तरीय जांच की मांग की जा रही है, ताकि दोषियों पर दण्डात्मक कार्यवाही हो सके।

इनका कहना है

बनाई गई सड़क में अभी साईड सोल्डर नही बनाया गया है इस लिए सड़क में किनारे का डामर निकल रहा है।

कमलेश राणा
उपयंत्री लोकनिर्माण विभाग, कटंगी

कोटेश्वर धाम में लगा भक्तों का तांता, दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, पूजन-अर्चन कर मांगा आशीर्वाद

वारि मंदिर से कोटेश्वर दरबार में लगी पांडरी पाठ माई की हाजिरी

नवभारत, लांजी। बालाघाट जिले के लांजी स्थित प्राचीन कोटेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सुबह से ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। मां लज्जादेवी व दादा कोटेश्वर की ऐतिहासिक नगरी में शिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। कोटेश्वर मंदिर में शिवरात्रि पर्व पर हजारों की संख्या में भक्तों ने देवाधिदेव महादेव की विशेष पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर अपने को धन्य माना। पर्व के चलते शिवभक्तों द्वारा मंदिर परिसर, मुख्यद्वार, गर्भगृह तथा आसपास फूलों की लडियों व फलों से आकर्षक रूप से सजाया गया है। शिवरात्रि पर देर रात्रि 12 बजे से ही शिव भक्तों की भीड़ मंदिर में लगने लगी थी जो कि सुबह होते-होते बढ़ती गई और दोनों ओर महिला-पुरूषों की लम्बी लाईनें लगी रही। भक्तों ने घंटो इंतजार कर बारी-बारी से पूजन अर्चन किया। मंदिर में भक्तों का दर्शन का यह क्रम अब लगातार सप्ताह भर तक चलता रहेगा एवं कोटेश्वर मंदिर में व मेले में भक्तों में काफी उत्साह के साथ ही चहल-पहल दिखाई देगी।दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालु कतारबद्ध होकर बाबा कोटेश्वर का जल, बेलपत्र और फूल से अभिषेक कर मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद मांग रहे हैं, जिससे पूरा वातावरण 'हर हर महादेव' के जयकारों से भक्तिमय हो गया है। महाशिवरात्रि पर लांजी के ऐतिहासिक और पौराणिक महत्व वाले कोटेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं, महादेव का अभिषेक और श्रृंगार किया गया। मान्यता है कि सच्चे मन से दर्शन करने वालों की हर मनोकामना पूरी होती है।महाशिवरात्रि के मौके पर यहां भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जो कई दिनों तक चलता है और जिसमें दूर-दराज के व्यापारी शामिल होते हैं।यह मंदिर लगभग 1000 साल पुराना और पौराणिक ऋषि दधिचि की तपोभूमि माना जाता है। मंदिर में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

सवारी के साथ लोट लगाकर पहुंचे

लांजी क्षेत्र में स्थित मां पांढरी पाठ मंदिर (वारी) और बाबा कोटेश्वर धाम अपनी धार्मिक आस्था के लिए जाने जाते हैं।मां पांढरी पाठ एक प्रसिद्ध देवी मंदिर है, जहाँ नवरात्र के दौरान हजारों श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और मनोकामना कलश स्थापित करते हैं। वही शिवरात्रि के पर्व को देखते हुए वारी से मां पंडरी पाठ माता की सवारी लेते हुए मंदिर के पांडा बाबा रेखलाल कावरे एवं मंदिर के संरक्षक सुधीर दसारिया कोटेश्वर मंदिर पहुंचे जहां माता की सवारी मंदिर के बाहर से ही लोट मारकर खेलते हुए बाबा भोलेनाथ के दरबार पहुंची जहां पहुंचकर माता की सवारी शांत हुई। तत्पश्चात वारि मंदिर के पांडा बाबा रेखलाल कावरे के द्वारा कोटेश्वर शिवलिंग की विधि विधान से पूजन आरक्षण कर सभी भक्तों को आशीष और आशीर्वाद दिया गया।

पिकअप ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, 4 घायल

जबलपुर। बरगी थाना अंतर्गत मानेगांव में एक तेज रफ्तार पिकअप चालक ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में ई-रिक्शा में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, मदनमहल कृपाल चौक निवासी देव कुशवाहा (24) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात करीब 11 बजे वह अपने दोस्त रोहन वर्मा के साथ स्कूटी से जा रहा था। उनके आगे बुक किया हुआ ई-रिक्शा चल रहा था, जिसमें उनके साथी सौरभ साहू, सुशील साहू, जितेंद्र कोष्टा और राधेश्याम विसेन सवार थे।

पुलवामा हमले के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

नवभारत, परसवाड़ा । बालक छात्रावास उकवा में 14 फरवरी को 'ब्लैक डे' के रूप में मनाया। इस अवसर पर पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।

छात्रावास के द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहीदों की याद में मोमबत्तियां जलाई गईं और उनके बलिदान को नमन किया गया। यह कार्यक्रम पुलवामा हमले की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया था। समाज सेवी संदीप गजभिये ने इस दौरान कहा कि 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के बजाय पुलवामा में शहीद हुए 40 सैनिकों के बलिदान को याद करना चाहिए। उन्होंने देशवासियों से अपील कि है की यदि वे अपने वतन से प्रेम करते हैं, तो एक दिया या मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दें।

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारिक, अधीक्षक रामलाल पटले सचिव नितिन कुमार समाजसेवी संदीप गजभिये अमन गौतम डॉक्टर प्रभात घुले, बाबूलाल धुर्वे, प्रमोद मरकाम, शक्ति तेकाम, सागर तेकाम आर्यन तिलासे, भूपेंद्र परते,आयुष उइके, सहित समस्त छात्रावास के बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।